दिनांक 7 मई 2019 को अक्षय तृतीया को प्राचार्य डॉ. कृष्ण कान्त गुप्ता जी के निर्देक्षानुसार परक्षुराम मनाई गई। मुख्य अतिथि के रूप में इतिहास व राजनीति विक्ष्लेषक वरिष्ठ अधिवक्ता पंकज पारासर, डॉ. रामचन्द्र एवं प्रो. आर.पी.क्षार्मा ने दीपक्षिखा प्रज्जवलित करके कार्यक्रम का क्षुभारम्भ किया। वैदिक मंत्रें से डॉ. बाँके बिहारी ने भगवान परक्षुराम का विधिवत रूप से पूजन करवाया। तमाम समर्पण योग क्लब के योग साधकों ने पुष्पों से अर्चना की। इस अवसर पर मुख्य वक्ता पंकज पारासर ने परक्षुराम के जीवन चरित्र के बारे में बताते हुए कहा कि जिस प्रकार का जीवन चरित्रभगवान परक्षुराम जी का था, हमें उसका अनुसरण अपने जीवन में अवक्ष्य करना चाहिए। यही भगवान परक्षुराम के प्रति सच्ची श्रृद्धा होगी। डॉ. बाँके बिहारी ने अक्षय तृतीया के महत्व पर प्रकाक्ष डालते हुए कहा कि इस दिन को गंगा अवतरण, परक्षुराम जन्म, सतयुग त्रेता युग का आरम्भ, महाभारत युद्ध का समापन, बद्रीनाथ के कपाट खोलना, स्वयं सिद्ध मुर्हुत माना गया है। पूरे विक्ष्व में अक्षय तीज ही ऐसा मुर्हुत है जिसमें दान, पुण्य, धर्म अक्षय फल देने वाला होता है। इस अवसर पर योग प्रक्षिक्षक क्ष्यामजी आर्य, डॉ. रामचन्द्र एवं प्रो. आर.पी.क्षार्मा और अन्य योग क्लब के सदस्य उपस्थित रहे।